Kapal Mochan Temple

The Yamuna River

Aadhi Badri temple

District Yamuna Nagar

Tourist Arrival Places

A Green City

Natural Beauty

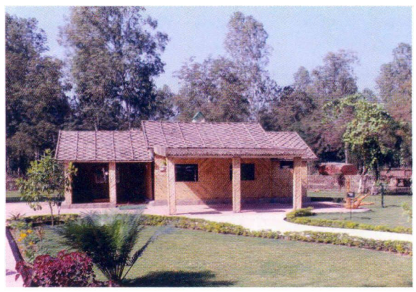

Herbal Park, Chaharpur

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण

कपालमोचन

जिला यमुनानगर

वर्ष 2010-11

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण - जिला यमुनानगर

विषय सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
परिशिष्ठ - 1 सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण - जिला यमुनानगर	1-3
परिशिष्ठ - 2 स्थिति तथा भातिक विशेषताऐं	
1. स्थिति तथा भौतक विशेषताऐं	5-6
स्थिति	
क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा	
भौतिक विशेषताऐं- भौगोलिक स्थिति	
खनिज सम्पदा	
जलवायु तथा वर्षा	
मिट्टी	
2. जनसंख्या	7-10
जनगणना के आंकड़ें	
घनत्व	
ग्रामीण व शहरी जनसंख्या	
0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या	
लिंगानुपात	
0-6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपात	
साक्षरता	
साक्षरता-ग्रामीण व शहरी	
3. वन	11
वनों के अधीन क्षेत्रफल	
4. कृषि	11-15
भूमि का प्रयोग	
कृषि जोतें	
मुख्य फसलों का उत्पादन	
अधिक उपजाऊ किस्में	
रासायनिक खाद का वितरण	
पौधों की सुरक्षा के उपाय	
कृषि यन्त्र तथा उपकरण	
कृषि उपज बिक्री संग्रहण	
समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम	

	विषय	पृष्ठ संख्या
5.	सिंचाई	16–17
	सिंचाई के साधन	
	फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र	
	सिंचाई की सघनता	
	नलकूप/ पम्पिंग सैट	
	बाढ़	
6.	पशुपालन तथा डैरी	18
	पशुधन	
	पशु चिकित्सालय सेवायें	
	डैरी 'दुग्ध उत्पादन'	
7.	मछली पालन	18
8.	विद्युत	20
	विद्युतीकरण 'शहरी/गांव'	
	नलकुप	
	विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोग	
9.	खनिज पद्धार्थ तथा उद्योग	19–20
	खनिज उत्पादन	
	लघु उद्योग यूनिट	
	बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट	
10.	सड़क तथा परिवहन	20–21
	सड़कों की लम्बाई	
	रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन बस स्टैण्ड की संख्या	
	सड़क दुर्घटनायें	
11.	संचार	21
	डाकघर व तार घर	
	दूरभाष केन्द्र	
12.	श्रम तथा रोजगार	21–22
	औद्योगिक झगड़े	
	रोजगार केन्द्र	
	मजदूरी की औसत दैनिक आय	
13.	सहकारिता	22–23
14.	बैंक	23

	विषय	पृष्ठ संख्या
15.	शिक्षा	24–26
	विद्यालय तथा महाविद्यालय	
	अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	
	इन्जिनियरिंग कालेज	
	विद्यार्थियों की सख्या, लिंगानुपात	
16.	चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य	27
	स्वास्थ्य सेवायें	
	परिवार कल्याण प्रोग्राम	
	सुरक्षित पेयजल	
17.	कल्याण विभाग 'अनुसूचित जातियों व पिछड़े वर्ग'	28–29
	वृद्धावस्था एंव अन्य पैशन	
18.	विविध	29–35
	नगरनिगमं	
	जिला राजस्व	
	रजिस्ट्रीकरण	
	पुलिस तथा अपराध	
	हरियाणा सरकार के कर्मचारी	
	विकेन्द्रीकरण योजना	
	खेलकूद	
	चुनाव तथा मतदाता	
परिशिष्ठ – 3	जिला एक दृष्टि में	36–37

परिशिष्ठ–1

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण–जिला यमुनानगर

जिला यमुनानगर 1 नवम्बर 1989 को अस्तिव में आया इससे पूर्व यह जिला अम्बाला का एक भाग था । जिला यमुनानगर में पूर्व में उतर प्रदेश का जिला सहारनपुर, पश्चिम में अम्बाला, हिमाचल प्रदेश का जिला सिरमौर ,उतर में करनाल व कुरुक्षेत्र दक्षिण दिशा में स्थित है। यह 77^0 17'उत्तर पश्चिम में पूर्वी समानांतर भाग के बीच 30^0 07' उतरी अक्षांश में स्थित है । इसकी समुद्र तल से उचाई 274 मीटर है । यह यमुना नदी के किनारे स्थित होने के कारण यमुनानगर के नाम से कहलाता है । इसका पुराना नाम अब्बदुलापुर था ।

1. जिला यमुनानगर में 2001 की जनगणना के आधार पर कुल 639 गांव है जिसमें 613 आबाद व 26 बेचिराग है जिला यमुनानगर को 6 सामुदायिक विकास खण्डों जगाधरी, छछरौली, बिलासपुर, सढौरा, रादौर व मुस्तफाबाद में बांटा गया है । जिसमें जिलें में 3 तहसीलें जगाधरी, छछरौली व बिलासपुर एवं 3 उपतहसीले सढौरा, रादौर एंवम मुस्तफाबाद है । जिला यमुनानगर में 2 उपमण्डल जगाधरी व बिलासपुर है । प्रशासनिक कार्यालय यमुनानगर में ही स्थित है । जिला यमुनानगर का कुल क्षेत्रफल 1768 वर्ग किलोमीटर है। जो हरियाणा राज्य का 3.99 प्रतिशत है । 2001 की जनगणना के अन्तिम आंकडों के आधार पर जिले की जनसंख्या 1041630 हो गई है इसमें 559444 पुरुष है व 482186 स्त्रियां है । जिले का लिगांनुपात 862 है । तथा साक्षारता दर 71.63 प्रतिशत है ।

2. जिला यमुनानगर की जलवायु निश्चितता लिए हुए है । अर्थात यहां पर गर्मीयों में अधिक गर्मी तथा सर्दियों में अधिक सर्दी होती है । गर्मीयों में यहां का तापमान अधिकतम 45 डिग्री सैलिसियस तक पहुच जाता है । तथा सर्दियों में 3 डिग्री सै0मी0 तक गिर जाता है । जिला यमुनानगर में 2004–08 के दौरान 5 वर्षीय औसत सामान्य वर्षा 819.26 मि0मी0 रिकार्ड की गई जबकि वर्ष 2008 के दौरान वार्षिक औसत वर्षा 99.3 सैन्टी मी0 रिकार्ड की गई है ।

3. वर्ष 2010–11 में गांव के प्रपत्रो के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 172 हजार हैक्टेयर है। वर्ष 2010–11 में कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 125 हजार हैक्टेयर है जो कुल क्षेत्रफल का 72.7 प्रतिशत है। निवल बोया गया क्षेंत्र 124 हजार हैक्टेयर है जो कृषि योग्य भूमि का 99.20 प्रतिशत है। एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्र 87 हजार हैक्टेयर है जो निवल बोये गये क्षेत्र का 70.16 प्रतिशत है। इस प्रकार 2010–11 में कुल बोया गया क्षेत्र 212 हजार हैक्टेयर है। कुल

बोया गय क्षेत्र में से खाद्यानों के अर्न्तगत 75.61 प्रतिशत, दालों के अधीन 0.66 प्रतिशत, नकदी फसलों गन्ना, तेल बीज, कपास तथा आलु के अधीन 22.33 प्रतिशत क्षेत्र है। चावल के अधीन 35.37 प्रतिशत क्षेत्र है। इस के बाद गेंहू का स्थान आता है जो 39.34 प्रतिशत है।

4. जिले में 7 नियमित मण्डियां व 10 सब यार्ड है। इन मण्डियों में मुख्य आमदन गेहूँ, जीरी तथा आलु की है। जिले में अनाज संग्रहण करने के लिए गोदाम काफी संख्या में उपलब्ध हैं।

5. वर्ष 2010-11 में नलकूप तथा पम्पिंग सैट जिले में सिंचाई के मुख्य साधन रहे जिनसे निवल सिंचित क्षेत्र का 97.52 प्रतिशत क्षेत्र नलकूपों द्वारा सिंचित किया गया तथा शेष 2.48 प्रतिशत नहरों व अन्य साधनों द्वारा सिंचित किया गया। वर्ष 2010-11 में टयूबवैल तथा पम्पिंग सैट की संख्या 32270 रही। सिंचाई की क्षमता का मुख्य भाग गेहूँ तथा ध1न की फसलों में प्रयोग किया जाता है।

6. जिला यमुनानगर के सभी गांवों व कस्बो का विद्युतीकरण हो चुका है तथा लगभग सभी गांव पक्की सड़कों से जोड़े गये हैं।

7. सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां यमुनानगर के अनुसार वर्ष 2010-11 में जिले में सभी प्रकार की 715 सहकारी समितियां हैं, जिनकी सदस्यता 245132 है जिसके अनुसार प्रति लाख व्यक्तियों के पीछे 69 समितियां कार्यरत है।

8. जिला यमुनानगर में चिकित्सा सेवाऐं विभिन्न संस्थाओं जैसे कि राज्य सरकार, स्थानीय निकाय तथा ऐच्छिक संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाती हैं। जिले में वर्ष 2010-11 में 4 अस्पताल, 12 डिस्पैंसरिया, 4 सामुदायिक केन्द्र व 18 प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र है । जिले में 16 आयुर्वेदिक व 3 युनानी संस्थाए है । इन अस्पतालो मे बिस्तरों की सख्यां 428 है। जिनमें 768066 रोगीयों का उपचार किया जाता है। जिला यमुनानगर में सभी परिवार कल्याण केन्द्र सुचारु रुप से चल रहे है । वर्ष 2010-11 में परिवार नियोजन केसो की सख्या 2294 व आई.यू. डी. 6234 रही है ।

9. वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 955 प्राथमिक 'पूर्व-प्राथमिक बालवाड़ी सहित', 256 माध्यमिक तथा 325 उच्च व वरिष्ठ माघ्यमिक विद्यालय हैं। जिनमें 14 प्राथमिक, 3 माघ्यमिक तथा 9 उच्च व वरिष्ठ माघ्यमिक विद्यालय केवल महिलाओं के लिए हैं। इन विद्यालयों में 250178 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की गई। इनमें से 74857 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के थे। उपरोक्त स्कूलों में 9042 अध्यापक कार्यरत रहे। जिले में वर्ष 2009-10 में प्राथमिक स्तर पर 108 विद्यार्थी प्रति अध्यापक, माध्यमिक स्तर पर 49

विद्यार्थी प्रति अध्यापक, उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 15 विद्यार्थी प्रति अध्यापक अनुपात रहा।

10. इसके अतिरिक्त वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में 8 कला तथा विज्ञान महाविद्यालय कार्यरत हैं। वर्ष 2010-11 में कुल 19419 विद्यार्थी डिग्री स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे है जिनमें 1910 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के हैं।

11. जिला यमुनानगर में इंजिनियरिग , एक दन्त चिकित्सा महाविद्यालय, 6 औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान भी विभिन्न पाठयक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहे है ।

BLOCK WISE NO. OF VILLAGES IN DISTT. YAMUNANAGAR

CENSUS 2001

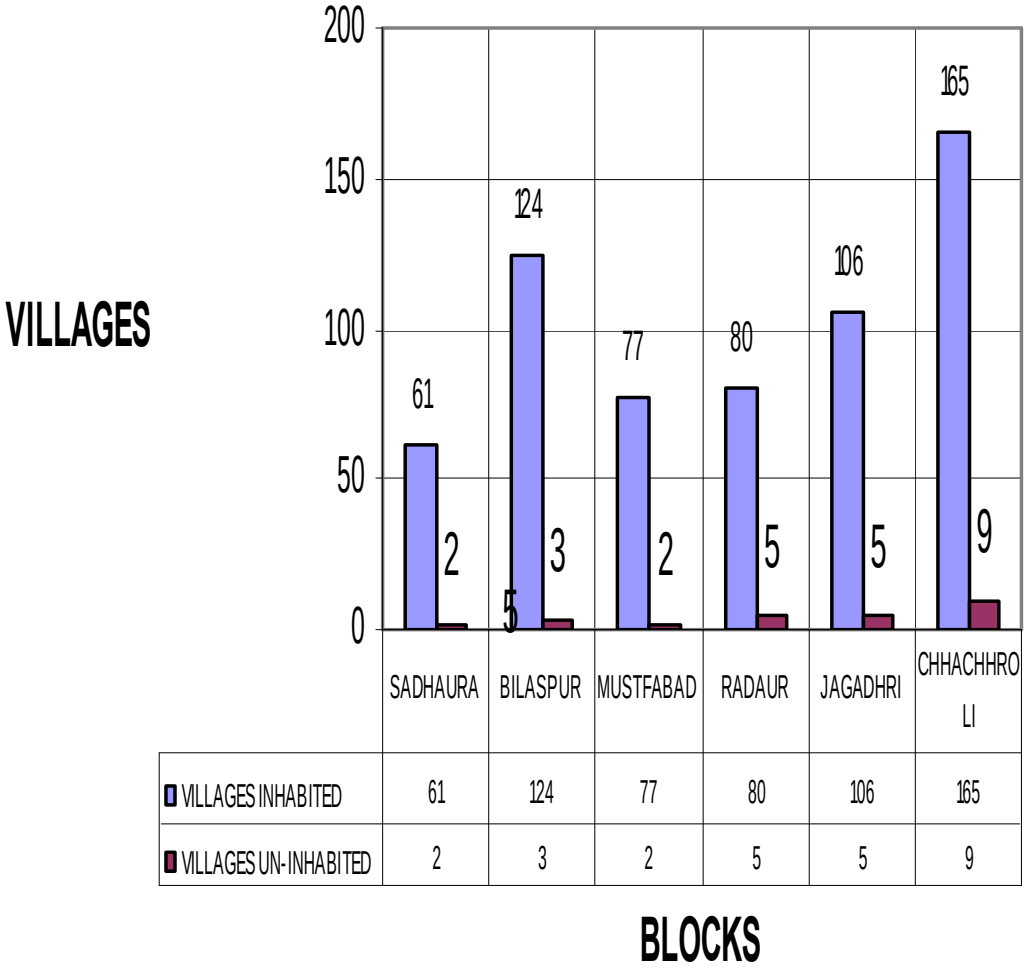

	SADHAURA	BILASPUR	MUSTFABAD	RADAUR	JAGADHRI	CHHACHHROLI
VILLAGES INHABITED	61	124	77	80	106	165
VILLAGES UN-INHABITED	2	3	2	5	5	9

परिशिष्ठ –2

स्थिति तथा भौतिक विशेषतायें

1. स्थिति :-

जिला यमुनानगर हरियाणा के उतर पश्चिम में 77°17' पूर्वी समानान्तर भाग के बीच 30°07' उत्तरी अक्षांश में स्थित है। इसकी समुद्र तल से उचांई 274 मीटर है । इसके पूर्व में उतर प्रदेश का जिला सहारनपुर, पश्चिम में अम्बाला, हिमाचल प्रदेश का जिला सिरमौर ,उतर में करनाल व कुरुक्षेत्र दक्षिण दिशा में स्थित है ।

2. क्षेत्रफल तथा प्राशासनिक ढांचा :-

जिला यमुनानगर का कुल क्षेत्रफल 1768 वर्ग कि0 मी0 है । जो हरियाणा राज्य का 3.99 प्रतिशत है जिलें में 3 तहसीलें जगाधरी, छछरौली व बिलासपुर एवं 3 उपतहसीले सढौरा, रादौर एंवम मुस्तफाबाद है । जिला यमुनानगर में 2 उपमण्डल जगाधरी व बिलासपुर है । प्रशासनिक कार्यालय यमुनानगर में ही स्थित है । जिला यमुनानगर में, जनगणना 2001 के आधार पर, कुल 639 गांव है। जिसमें 613 आबाद व 26 बेचिराग हैं व सभी गांव 6 सामुदायिक विकास खण्डों के अधीन आते हैं। तहसील जगाधरी के अन्तर्गत जगाधरी, रादौर, व मुस्तफाबाद, तहसील बिलासपुर के अन्तर्गत खण्ड बिलासपुर व सढौरा तथा तहसील छछरौली के अन्तर्गत छछरौली खण्ड आता है। जिला यमुनानगर में नगर परिषद अब नगर निगम हैं। जिसमें 441 ग्राम पंचायतें है। जिसमें 441 सरपंच व 3467 पंचायत सदस्य हैं। जिला यमुनानगर में 7 मार्किट कमेटियां व इसके अतिरिक्त 10 सब यार्ड हैं।

4. भौगोलिक स्थिति :-

जिला यमुनानगर में कई तरह के धरातल पाए जाते हैं। जैसे शिवालिक पहाड़िया, पर्वतीय क्षेत्र एवं वादियों का समतल क्षेत्र छछरौली तहसील के साथ लगता है तथा इसमें पहाड़ी क्षेत्र भी पाया जाता है। कलेसर क्षेत्र की भूमि में वन पाए जाते हैं।

5. खनिज सम्पदा :-

खनिज पदार्थो के लिए जिला यमुनानगर में पहाड़ी क्षेत्र में लगने के कारण पिछड़ा हुआ है। जिले में बजरी निकालने के स्त्रोत यमुना नदी तथा मारकण्डा है।

6. जलवायु तथा वर्षा :-

जिला यमुनानगर का मौसम गरमियों में अधिक गर्म है तथा सर्दियों में अधिक ठण्डा रहता है। मई तथा जून के महीने में सबसे अधिक गरमी होती है। इन दिनों में तापमान 43 डिग्री सै0 ग्रे0 से 45 डिग्री सै0 ग्रे0 तक होता है। दिसम्बर से फरवरी तक बहुत ठण्ड पड़ती है। इस दौरान तापमान 3 डिग्री सै0 ग्रे0 तक गिर जाता है। वर्ष 2004 से 2008 तक 5 वर्षो की औसत मासिक सामान्य वर्षा 819.26 मि0मी0 रही ।

7. मिट्टी:-

जिला यमुनानगर में कई प्रकार की मिट्टी पाई जाती है। जिले के पहाड़ी क्षेत्र में औसत वर्षा 900-1100 मि0मी0 है। इसमें उदासीन प्रतिक्रिया वाली मिट्टी पाई जाती है। जिसमें नाईट्रोजन तथा फासफोरस की कमी होती है। इस क्षेत्र में लाल मिट्टी भी पाई जाती है तथा जमीन अधिक वर्षा के कारण कटाव में कट जाती है। शिवालिक के उप-पर्वतीय क्षेत्र में दोमट मिट्टी उल्टोक्रिस्टल है। जिसके कारण भूमि में कंकर, पत्थर पाए जाते हैं।

''जनसंख्या''

जनगणना 2001 के अन्तिम आंकड़ों के आधर पर

8. जनगणना के आंकड़ें :-

जिला यमुनानगर की जनसंख्या, जनगणना 2001 के आंकड़ों के आधार पर, 1041630 है जिसमें पुरूष 559444 व स्त्रियां 482186 है। जबकि 1991 की जनगणना के आधार पर जिले की जनसंख्या 806279 थी जिसमें 428232 पुरूष व 378047 स्त्रियां थी। 1991–2001 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 29.2 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई है। हरियाणा राज्य की दशकीय वृद्वि दर में भी बढौतरी हुई है। यह दर 1991–2001 में 28.4 प्रतिशत हो गई।

तालिका :- जिले की जनसंख्या : जनगणना 2001

	कुल जनसंख्या	पुरूष	स्त्रियां
ग्रामीण	648608	347540	301068
शहरी	393022	211904	181118
कुल जनसंख्या	1041630	559444	482186

9. घनत्व:-

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिए गए भौगोलिक क्षेत्र के आंकड़ों के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 1768.00 वर्ग कि0मी0 है। जो राज्य के क्षेत्रफल का 3.99 प्रतिशत है। जनगणना 2001 के आधार पर राज्य की 4.92 प्रतिशत जनसंख्या यहां रहती है। जनगणना 2001 के आधार पर जिले का घनत्व 589 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। 1991 की जनगणना अनुसार जिले का घनत्व 468 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 था। हरियाणा राज्य का घनत्व 1991 में 372 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 तथा 2001 में 478 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 हो गया है।

10. ग्रामीण व शहरी जनसंख्या :-

जनसंख्या 2001 के अन्तिम आंकड़ों के अनुसार जिला की लगभग 62 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात् 648608 ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। जिसमें 347540 पुरूष तथा 301068 स्त्रियां हैं। जिला की शहरी जनसंख्या 393022 जो कुल जनसंख्या का 38 प्रतिशत है जिसमें 211904 पुरूष व 181118 स्त्रियां है।

ग्रामीण क्षेत्रों में तहसील जगाधरी की 507505 जनसंख्या में 271881 पुरूष व 235624 स्त्रियां, छछरौली की 141103 जनसंख्या में 75659 पुरूष व 85444 स्त्रियां, जबकि शहरी क्षेत्रो में तहसील जगाधरी की

383312 जनसंख्या में 206902 पुरूष व 176410 स्त्रियां, छछरौली की 9710 जनसंख्या में 5002 पुरूष व 4708 स्त्रियां है।

जिला की ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 648608 जो 1991 में 529352 थी। इस तरह ग्रामीण जनसंख्या में 22.5 प्रतिशत दशकीय वृदि हुई। जिला की शहरी जनसंख्या 1991 में 276927 से बढ़कर 2001 में 393022 हो गई। अत: शहरी जनसंख्या में 41.9 प्रतिशत दशकीय वृदि हुई ।

11. 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या :-

जिला यमुनानगर की जनगणना में 1991 में 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 17.54 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2001 में 14.40 प्रतिशत रह गई है। जनगणना 2001 में 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 150008 है जबकि 1991 में राज्य की 0–6 आयु वर्ग बच्चों की कुल जनसंख्या का 18.98 प्रतिशत से घटकर जनगणना 2001 में कुल जनसंख्या का 15.77 प्रतिशत रह गई है।

जिला के ग्रामीण क्षेत्रा में 0–6 आयुवर्ग के बच्चों की जनसंख्या 100409 है जो कुल ग्रामीण जनसंख्या का 15.48 प्रतिशत है तथा शहरी क्षेत्र में यह संख्या 49599 है जो की कुल शहरी जनसंख्या का 12.61 प्रतिशत है।

12. लिंगानुपात:-

जिला यमुनानगर में जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरूषों पर 862 महिलाओं का अनुपात है जो 1991 में 883 था। इससे स्पष्ट है कि स्त्री पुरूष अनुपात में 1991 की तुलना में 2001 में गिरावट आई है। हरियाणा राज्य में यह अनुपात 861 है जो सभी राज्यों में सबसे कम स्तर पर पहुँच गया है।

जिला यमुनानगर में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपात क्रमश: 866 तथा 855 है। जो 1991 में क्रमश: 885 व 879 था। ग्रामीण क्षेत्र में स्त्री पुरूष अनुपात तहसील जगाधरी, छछरौली में क्रमश: 861, 870 तथा शहरी क्षेत्रा के स्त्री पुरूष अनुपात तहसील जगाधरी, छछरौली में क्रमश: 853, 941 हैं।

13. 0–6 आयुवर्ग के बच्चों में लिंगानुपात :-

जिला का 0–6 आयुवर्ग के बच्चों का लिंगानुपात 806 है। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में यह अनुपात क्रमश: 814 तथा 789 है। ग्रामीण क्षेत्र दो तहसीलें जगाधरी

तथा छछरौली में क्रमशः 804, 846 तथा शहरी क्षेत्र में दो तहसीलें तथा छछरौली में क्रमशः 788, 825 है।

14. साक्षरता :-

जनगणना 2001 में जिला यमुनानगर में 638711 व्यक्ति साक्षर है जिसमें 375462 पुरूष तथा 263249 स्त्रियां है। जनगणना 2001 में जिला में 71.63 प्रतिशत साक्षरता दर दर्ज की गई। जिला में पुरूष साक्षरता दर 78.82 स्त्री साक्षरता दर 63.39 की तुलना में अधिक रही। जबकि 1991 की जनगणना अनुसार जिला में 60.53 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे। पुरूष साक्षरता दर 69.76 प्रतिशत तथा स्त्री की साक्षरता दर 50.07 प्रतिशत थी। जनगणना 2001 के अनुसार राज्य की साक्षरता दर 67.90 है। पुरूष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 78.49 तथा 55.73 है।

15. साक्षरता ग्रामीण व शहरी :-

2001 की जनगणना अनुसार जिला में ग्रामीण क्षेत्र में 65.35 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर हैं। जिनमें 74.43 प्रतिशत पुरूष तथा 55.32 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर है। शहरी क्षेत्र में 81.67 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिनमें 86.26 प्रतिशत पुरूष तथा 76.37 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर हैं। जबकि 1991 की जनगणना अनुसार ग्रामीण व शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः 52.73 तथा 75.47 प्रतिशत थी।

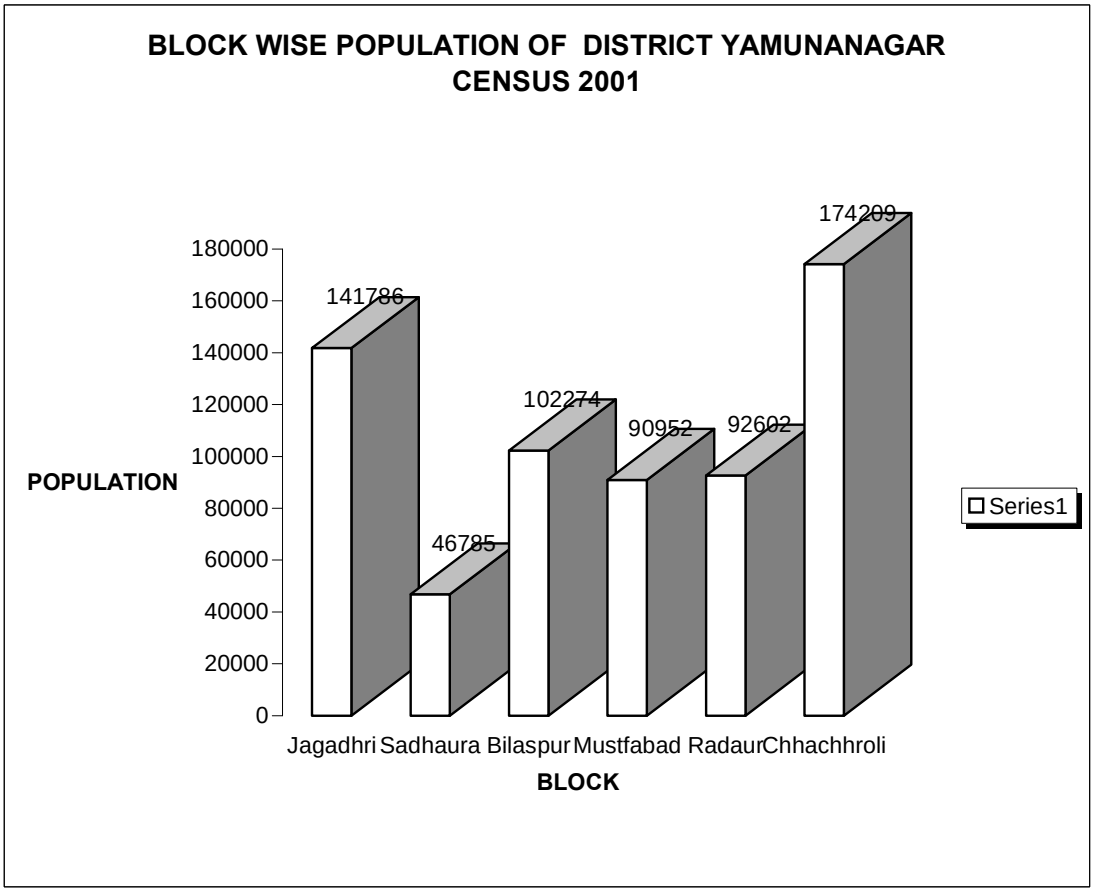

'वन'

16. वनों के अधीन क्षेत्रफल:-

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2010-11 में लगभग 218 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र वनों के अधीन था जिसमें से 204 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र राज्य वनों के अधीन तथा 14 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र निजी वनों के अधीन है। जो कुल राज्य वन क्षेत्रफल का

93.58 प्रतिशत है। इस समय जिला में 70 वर्ग कि0 मी0 आरक्षित राज्यवन क्षेत्र तथा 131 वर्ग कि0 मी0 संरक्षित राज्य वन क्षेत्र में आता है।

'कृषि'

17. भूमि का प्रयोग:-

वर्ष 2010-11 में गांव पत्रों के अनुसार जिला यमुनानगर का कुल क्षेत्र 172 हजार हैक्टेयर है जिसमें से 8.58 प्रतिशत वनों के अधीन 15.98 प्रतिशत चरागाह व गैर-कृषि प्रयोजनों इत्यादि में तथा 72.58 प्रतिशत निवल बोये गये क्षेत्र के अधीन रहा।

18. वर्ष 2010-11 में कृषि योग्य भूमि 125 हजार हैक्टेयर है, जबकि बोया गया निवल क्षेत्र 124 हजार हैक्टेयर है जो कृषि योग्य भूमि का 99.20 प्रतिशत है। एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्र 88 हजार हैक्टेयर है जो निवल बोये गये क्षेत्र का 70.97 प्रतिशत है। वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में कुल काश्त क्षेत्र 213 हजार हैक्टेयर रहा।

19. तहसील जगाधरी, बिलासपुर व छछरौली में निवल बोया गया क्षेत्र क्रमश: 685, 299 व 264, 00 हैक्टेयर है। जो कुल क्षेत्र का 54.88 प्रतिशत, 23.96 प्रतिशत व 21.16 प्रतिशत है। यद्यपि जिला यमुनानगर का क्षेत्रफल केवल 1768 वर्ग कि0मी0 है परन्तु खाद्यान्न उत्पादन में सर्वप्रथम रहता है।

20. कृषि जोतें :-

कृषि गणना 2000-01 के अनुसार जिला यमुनानगर में कुल 56178 कृषि जोते कार्यरत थी। इन 56178 जोतों में से 67.60 प्रतिशत जोते 2 या 2 हैक्टेयर से कम की, 22.28 प्रतिशत जोतें 2 से ऊपर व 5 या 5 से कम, 7.65 प्रतिशत 5 से ऊपर व 10 या 10 हैक्टेयर से कम, 2. 05 प्रतिशत 10 से ऊपर व 20 या 20 हैक्टेयर से कम व 0.42 प्रतिशत 20 हैक्टेयर तथा उससे ऊपर की थी।

21. जिला यमुनानगर की रबी की मुख्य फसलें गेहूँ व जौ तथा खरीफ की मुख्य फसलें, धान तथा मक्की है।

22. मुख्य फसलों का उत्पादन :-

फसलों के आर्थिक उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु तथा भूमि ऊपजाऊ शक्ति का मुख्य योगदान रहा है। जिले की मुख्य फसलें गेहूँ तथा धान है।

वर्ष 2010-11 में गेहूँ का उत्पादन 380 हजार टन, चावल का उत्पादन 247 हजार टन था तथा गन्ने का उत्पादन 1734 हजार टन था तथा चावल की औसत उपज 3294 कि0 ग्रा0, गेहूँ की 4557 कि0ग्रा0 एवं गन्ने का 68291 कि0ग्रा0 प्रति हैक्टेयर रही।

तालिका:- मुख्य फसलों की औसत उपज कि0ग्रा0 प्रति हैक्ट0

फसल	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
गेहू	3396	3682	4155	3771	4057	3607	4557
चावल	3229	3396	3615	3839	3070	4131	247
मक्की	2362	2381	2408	2702	2203	5985	1800
गन्ना	6848	6618	6890	5422	5117	2192	68291

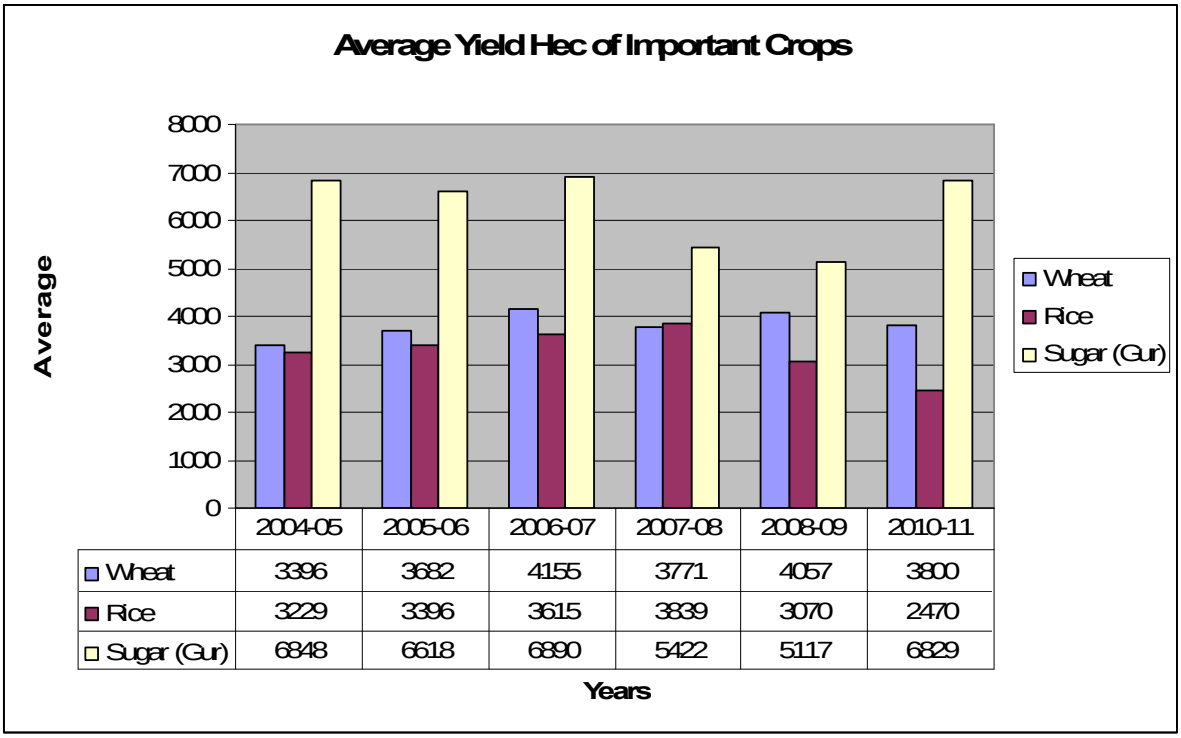

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2010-11
Wheat	3396	3682	4155	3771	4057	3800
Rice	3229	3396	3615	3839	3070	2470
Sugar (Gur)	6848	6618	6890	5422	5117	6829

23 अधिक उपजाऊ किस्में :-

जिला यमुनानगर में गेहूँ तथा ध1न की अधिक उपजाऊ किस्मों के बीजों का प्रयोग रहा है। वर्ष 2010-11 में गेहूँ के अधीन 98.8 प्रतिशत क्षेत्र जबकि ध1न के अधीन 81.7 प्रतिशत क्षेत्र में अधिक उपजाऊ बीजों का प्रयोग हुआ।

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में 214020 टन गेहूँ तथा 251898 टन ध1न की सरकारी एजंसियो द्वारा खरीद की गई ।

24. रासायनिक खाद का वितरण:-

वर्ष 2010-11 में कुल खाद का उपयोग 46463 टन रहा। उपयोग में नाईट्रोजन 34754 टन तथा फास्फोरस 9191 टन जबकि पोटाश का उपयोग केवल 2518 टन रहा ।

25 पौधें की सुरक्षा के उपाय :-

वर्ष 2010-11 में 328 टन कीटनाशक दवाईयों का उपयोग किया गया। जो मुख्यत: गेहूँ तथा ध1न की फसलों के अधीन क्षेत्र में किया गया ।

26. कृषि यन्त्र तथा उपकरण :-

पशुगणना 2003 के अनुसार जिले में उपयोग किए गये कृषि यन्त्र तथा उपकरणों में ट्रैक्टरों की संख्या 17505 थी। कम्बाईन हारवैस्टर की संख्या 869 थी जिसमें से 189 कम्बाईन हारवैस्टर ट्रैक्टर चलित तथा 680 स्वयं चालित कम्बाईन हारवैस्टर थी। वर्ष 2010 में जिला यमुनानगर में 11395 चार पहियों वाले ट्रैक्टर कृषि के कार्य में प्रयोग रत रहे।

27. कृषि उपज बिक्री संग्रहण :-

वर्ष 2010-11 में यमुनानगर में कृषि उपज की पूर्ति के लिए 7 मार्किट कमेटियां तथा 10 सबयार्डस द्वारा बिक्री एवं खरीद करवाई गई। जिसमें मुख्य आमद जीरी, गेहूँ, सूर्यमुखी तथा आलु की फसल रही। इन सभी मण्डियों में वर्ष 2010-11 में 613100 टन कुल कृषि उत्पादन की आमद रही। जबकि 2009-10 में कुल कृषि उत्पादन की आमद 716900 टन थी।

28. वर्ष 2010-11 के दौरान इन सभी मण्डियों, में गेहूँ की आमद 2029.79 टन ध1न की आमद 2648.18 टन, आलु की आमद 158.16 टन रही। सुर्यमुखी की आमद 3.95 टन रही।

तालिका :- जिला यमुनानगर में कृषि उत्पादन की आमद '00'टन में

फसल	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
गेहूँ	1113	1021	817	825	1336	1944	2029.79
ध1न	2012	2297	2083	2262	3479	3479	2648.18
आलु	168	171	177	172	135	135	158.16
सुर्यमुखी	27	24	24	9	236	236	3.95
अन्य	757	1296	1398	1649	1375	1375	100.43
कुल	4047	4809	4499	4917	5706	7169	4940.51

29. इन मण्डियों में किसानों के रात को ठहरने के लिए किसान विश्राम गृह है तथा इसके अतिरिक्त पीने के पानी, पशुशाला इत्यादि की सुविधायें भी प्रदान की जाती हैं।

30. जिला यमुनानगर में वर्ष 2010-11 में सरकारी गोदामों की क्षमता 177000 टन थी।

31. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम :-

जिला ग्रामीण विकास एजैन्सी यमुनानगर अपनी स्थापना से ही ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी के अभिशाप को समाप्त करने के लिए भरसक प्रयास रहे हैं और इस दिशा में इसे न केवल शतप्रतिशत भौतिक एवं आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने का श्रेय है। बल्कि यह गरीब ग्रामीण परिवारों के आर्थिक स्तर में वास्तविक वृद्धि लाने में सफल रही है। अब इस दिशा में और कारगर रूप से सक्रीय है। एजैन्सी का यह दृढ़ संकल्प है कि वह जिला यमुनानगर के हर परिवार को इतनी अधिक सहायता प्रदान करवा दें कि वह सदा के लिए गरीबी की रेखा को पार कर लें। वर्ष 2010-11 में स्वर्ण ग्रामीण स्वरोजगार कार्यक्रम के अर्न्तगत 2049 गरीब परिवारों को 821.42 लाख रुपए के कर्ज और174.33 लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2010-11 में इन्दिरा आवास योजना के अर्न्तगत 1622 गरीब परिवारों को 729.90 लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2010-11 में कुल स्वच्छता अभियान के तहत 28900 गरीब परिवारों को 259.68 लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया। जिसमें कुल 12683 अनुसूचित जाति के परिवार हैं।

'सिंचाई'

32. सिंचाई के साधन:-

वर्ष 2010-11 में निविल सिंचित क्षेत्र 121 हजार हैक्टेयर था जो कि बोये गये निवल क्षेत्र का 96.8 प्रतिशत था। स्त्रोतानुसार सिचाई के क्षेत्र में 97.52 प्रतिशत क्षेत्र नलकूपों व अन्य साधनो से तथा 2.48 प्रतिशत नहरों का योगदान रहा । नलकूपों द्वारा कुल 118000 हैक्टेयर तथा नहरो द्वारा 3312 हैक्टेयर भूमिं की सिंचाई की गई।

33. वर्ष 2010-11 में कुल सिंचित क्षेत्र कुल बोये गये क्षेत्र का **89.20** प्रतिशत था तथा निविल सिंचित क्षेत्र कुल सिंचित क्षेत्र का भी 63.68 प्रतिशत रहा।

34. फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र :-

वर्ष 2010-11 में फसल अनुसार कुल बोया गया सिंचित क्षेत्र 190 हजार हैक्टेयर था जो की कुल काश्त अधिन क्षेत्र का 89.20 प्रतिशत था । फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही, गेहूँ के अधीन 83403 हैक्ट, ध1न के अधीन 74577 हैक्ट, गन्ने के अधिन 25392 हैक्ट, दालों के अधिन 1400 हैक्ट रहा ।

तालिका:- जिला यमुनानगर में सिंचित क्षेत्र की स्थिति ;000 हैक्ट0

फसल	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	20
गेहूँ	69	69	68	72	82	83	83	69
ध1न	58	59	59	59	71	74	75	59
दालें	1	1	1	1	1	1	1.4	1
गन्ना	37	39	41	41	28	25	25	39
तेल बीज	18	17	14	15	13	14	20	17

35. सिचाई की संघनता:-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में कुल सिंचित क्षेत्र 190 हजार हैक्टेयर तथा निवल सिंचित क्षेत्र 121 हजार हैक्टेयर था जिसके अनुसार सिंचाई की सघनता 157. 02 प्रतिशत रही।

36. नलकूप/पम्पिंग सैट:-

वर्ष 2010-11 में कुल नलकूपों तथा पम्पिंग सैटों की संख्या 32230 है।

37. बाढ़ :-

जिला यमुनानगर वर्षा के दौरान यमुना नदी में अति बहाव हो जाने से बाढ़ से प्रभावित हो जाता है जबकि वर्ष 2010-11 के दौरान यह जिला बाढ़ से ग्रस्त रहा।

'पशुपालन तथा डेरी'

38. पशुधन :-

वर्ष 2007 की पशुगणना के आधार पर जिला यमुनानगर में पशुधन की संख्या 407993 तथा कुकुट संख्या 1522425 थी। 2007 में कुल पशुधन में से 28.75 प्रतिशत गाय व

बैल, 58.63 प्रतिशत भैंसे, 8.12 प्रतिशत भेड़-बकरी, 0.40 प्रतिशत घोड़े, टटू व गधे 1 तथा खच्चर तथा 4.09 प्रतिशत ऊँट, सूअर तथा कुत्ते थे।

जिला यमुनानगर में 2007 की पशुगणना के आधार पर प्रति हजार मनुष्यों के पीछे पशु संख्या 103, भैंसे 211, घोड़े, खच्चर और गधे 2, भेडें 15, बकरियां 14, तथा कुकुट आदि 1464 थी।

39. पशु चिकित्सा सेवायें :-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में पशु चिकित्सा सेवायें प्रदान करने के लिए 23 पशु चिकित्सालय, 66 पशु चिकित्सा डिसपैन्सरियां कार्यरत थी।

सभी संस्थाओं द्वारा वर्ष 2010-11 में 286634 पशुओं का ईलाज किया गया, तथा वर्ष 2009-10 के दौरान 40000 गाय तथा 41000 भैंसों का कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया। जिला यमुनानगर में सघन पशुधन विकास परियोजना के अर्न्तगत के मध्यम आकार की परियोजना कार्य कर रही है। जिसके अन्तर्गत वीर्य बैंक है। जिला यमुनानगर में 2010-11 में 1 विकासित गोशाला थी।

40. डेरी दुग्ध उत्पादन:-

दुग्ध उत्पादन कृषकों के लिए अतिरिक्त आय का एक मुख्य साधन है। 2007 की पशुगणना अनुसार कुल पशुधन अर्थात् 327007 में से 196203 दुधरू पशु थे।

'मछली पालन'

41. वर्ष 2010-11 में मछली पालन से कुल 61725 हजार रुपए की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 35 बिना लाईसैंस मछली पकडने वाले केस किये गये।

42. मछली पालन के लिए कुल 350.2 हैक्टेयर भूमि को प्रयोग में लाया गया 3587 टन विभिन्न प्रकार की मछली का विपणन हुआ।

'विद्युत'

43. विद्युतीकरण 'शहरी/ग्रामीण':-

जिला में स्थित सभी शहरों तथा गांवों का विद्युतीकरण हो चुका है।

44. नलकूप:-

वर्ष 2009-10 में यमुनानगर विद्युत सर्कल में विद्युतिकृत नलकूपों की संख्या 36930 थी जिसमें 35750 कृषि तथा 1180 जलपूर्ति तथा सिवरेज के नलकूप थे।

45. विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोग:-

यमुनानगर सर्कल में वर्ष 2010-11 में 5564.39 कि0 मी0 एल0 टी0 लाईने, 4905.01 कि0 मी0 11 के0 वी0 लाइन्ज तथा 13631 ट्रांसफार्मर थे। इस प्रकार जिला यमुनानगर में संयोजनों की संख्या 268885 हो गई है। कुल संयोजनों में 75.69 प्रतिशत घरेलु, 11.65 प्रतिशत वाणिज्य, 2.05 प्रतिशत औद्योगिक, 10.21 प्रतिशत कृषि तथा 0.35 प्रतिशत शेष अन्य उपयोगों के लिए थे।

46. जिला यमुनानगर में बिजली का उत्पादन होता हैं। जिला में वर्ष 2010-11 के दौरान 3147.06 लाख कि0 वाट बिजली की खपत हुई जिसमें 771.11 लाख कि0 वाट घरेलु 177.33 कि0 वाट वाणिज्यिकी, 1052 लाख कि0 वाट औद्योगिक, 11.05 लाख कि0 वाट सार्वजनिक प्रकाश, 125.41 लाख कि0 वाट सार्वजनिक जलपूर्ति, 951.53 लाख कि0 वाट कृषि, 16.63 लाख कि0 वाट कार्यालय वर्कशाप इत्यादि तथा 41.22 लाख कि0 वाट भारी मात्रा में उपयोग करने वाले संयोजनों द्वारा खपत की गई।

'खनिज पदार्थ तथा उद्योग'

47. खनिज उत्पादन:-खनिज पदार्थो के लिए जिला यमुनानगर में पहाड़ी क्षेत्र में लगने के कारण पिछडा हुआ है । जिले में बजरी निकालने के स्रोत यमुना नदी तथा मारकण्डा है ।

48. लघु उद्योग यूनिट :-

वर्ष 2010 में जिला यमुनानगर में कुल 1277 रजिस्टर्ड फैक्टरियां कार्यरत रही। जिसमें 1158 फैक्टरियां धारा 2एम**(i)** तथा 10 फैक्टरियां धारा 2एम**(ii)** व 109

फैक्टरीयां ध1रा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी, जिनमें अनुमानित 40882 कार्यकर्ता कार्य कर रहे थे, जो राज्य के कुल फैक्टरियों के कार्यकर्ताओं का 3.54 प्रतिशत है।

बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट:-

जिला यमुनानगर में निम्नलिखित बड़े तथा मध्यम स्तर के उद्योग स्थित है।

1. सरस्वती शुगर मिल, यमुनानगर
2. बल्लारपुर पेपर मिल्ज यमुनानगर
3. हरियाणा डिस्टलरी ,यमुनानगर
4. भारत स्टार्च इण्डस्ट्रिज यमुनानगर
5. कृष्णा मैटल वर्क्स ,जगाधरी
6. जगननाथ मैटल इन्डस्ट्रिज जगाधरी
7. जे0 के0 मैटल, इन्डस्ट्रिज जगाधरी
8. साहनी कारपैट , सढौरा

'सड़क तथा परिवहन'

49. सड़कों की लम्बाई :-

50-

51. yksd fuekZ.k foHkkx ^Hkou rFkk lM+dsa* }kjk lkjk o"kZ lM+dksa dh ns[kjs[k dh tkrh gSA o"kZ 2010&11 esa ftyk ;equkuxj esa 1177 fd0eh0 iDdh lM+dsa FkhA o"kZ 2010&11 ds nkSjku ftyk ds 613 xkao lM+dksa ls tqM+s gq, FksA

50. रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन सुविधा :-

प्राय: जिले के सभी गांव पक्की सड़कों से जुड़े हुये है। वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में हरियाणा परिवहन, यमुनानगर द्वारा निर्मित 5 बस स्टैण्ड सेवायें प्रदान कर रहे है। वर्ष 2010-11 में बसो की सख्या 152 थी जिन्होने 166.41 लाख कि.मी. की दुरी तय की है । वर्तमान में डिपु द्वारा बसे उतर प्रदेश , हिमाचल प्रदेश , पंजाब ,

राजस्थान तथा जम्मु कश्मीर के यात्रीयों को लाने में व ले जाने के लिए प्रयोग में लाई जाती हैं। यात्रीयों को वर्षा व धुप के कारण बचाव के लिए बहुत मार्गो पर यात्री प्रतिक्षालय बनाये गये है । वर्ष 2010-11 में कुल लाभ - 1205.54 लाख रुपयें रहा । वर्ष 2010-11 में 14 दुर्धटनाएं हुई थी जिसमें 14 गाडियां दुर्धटनाग्रस्त हुई है व इन दुर्धटनाओं में 153 व्यक्ति मरे व 286 घायल हुए है ।

'संचार'

51. डाकघर व तारघर :-

वर्ष 2010-11 में जिले में 122 डाकघर तथा 1 तारघर कार्य कर रहे थे।

52. दूरभाष केन्द्र:-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में 65 दूरभाष केन्द्रों से जुड़े हुये हैं।

'श्रम तथा रोजगार'

53. औद्योगिक झगड़े:-

वर्ष 2010 के दौरान जिला यमुनानगर में 14 औद्योगिक झगड़े रिपोर्ट किए गये। वर्ष के दौरान औद्योगिक संगठन में किसी प्रकार की तालाबन्दी व हड़ताल नहीं हुई है। जिले में वर्ष 2010 में श्रमिक संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्टर्ड संघों की संख्या 121 है।

54. रोजगार केन्द्र:- जिला यमुनानगर में वर्ष 2010-11 में 37607 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार में थे जिनमे से 23050 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र में तथा 14557 व्यक्ति निजि क्षेत्र में लगे हुए थे ।

जिला यमुनानगर में 1 रोजगार कार्यालय एवं एक व्यवसायिक मार्गदर्शन हेतु सूचना केन्द्र हैं। इन रोजगार कार्यालयों में वर्ष 2010 के दौरान 5580 व्यक्तियों द्वारा रोजगार हेतु पंजीकरण करवाया गया जिसमें कुल पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या 43822 हो गई। इन रोजगार केन्द्रों से 30 नियोजकों द्वारा सेवायें ली गई।

56. जिला यमुनानगर में वर्ष 2010 के दौरान 25671 दुकानों मे 10435 कर्मचारी, 346 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 1483 कर्मचारी, 341 होटल तथा जलपान गृहों में 684 कर्मचारी कार्यरत रहे।

57. मजदूरी की औसत दैनिक आय :-

वर्ष 2010 के दौरान जिला यमुनानगर में कुशल कार्यकर्त्ताओं जैसे बढ़ई की दैनिक मजदूरी 200 रुपये और लौहार की दैनिक मजदूरी 250.83 रुपए थी, हल चलाने वाले कृषि श्रमिक की दैनिक मजदूरी 198.33 रुपए बिजाई के लिए 198.33 रुपए, गोड़ाई 198.33 रुपए, कटाई के लिए 198.33 रुपए तथा अन्य कृषि सम्बन्धी मजदूरी की दर 198.33 रुपए प्रति दिन रही।

'सहकारिता'

58. सहकारिता वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में 715 सहकारी समितियां थी जिनके सदस्यों की संख्या 245132 थी।

59. वर्ष के दौरान इन सहकारी समितियों में 43.46 करोड़ रुपए हिस्सा पूंजी, 46.72 करोड़ रुपए अन्य निजि पूंजी थी जबकि कार्यपूंजी 815.61 करोड रुपए रही।

60. प्रति लाख व्यक्तियों पर समितियों की संख्या 69 थी जबकि प्रति हजार जनसंख्या पर सब प्रकार की समितियों के सदसयों की संख्या 235थी।

61. सभी 715 सहकारी समितियों एवं बैंकों में से 1 केन्द्रीय सहकारी बैंक, 38 कृषि ऋण, 43 गैर-कृषि ऋण, 2 विपणन, 6 गन्ना पूर्ति, 2 बुनकर समितियां, 4 उपभोक्ता समितियां/उपभोक्ता स्टोर, 30 आवास समितियां, 10 खेती समीतियां, तथा शेष 578 अन्य प्रकार की समितियां थी।

62. वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में 1 केन्द्रीय सहकारी बैंक था । इनमें हिस्सा पूंजी 1246 लाख रुपए, निजि पूंजी 2737.00 लाख रुपए जब कि कार्य पूंजी 43406 लाख रुपये रही। वर्ष के दौरान इस बैंक द्वारा 28156 लाख रूप्ये का कर्जा दिया गया ।

63. वर्ष 2010-11 में जिला में 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक थे जिनकी हिस्सा पूंजी 562.27 लाख रूपये, निजि पूंजी 693.98 लाख रूपये जबकि कार्य पूंजी 9857.89 लाख रूपये थी। वर्ष के दौरान इन बैंको द्वारा 1345.52 लाख रूप्ये का कर्जा दिया गया जिसमें 2831.22 लाख रूपये का कर्जा भूमि सुधरने हेतु दिया गया।

तालिका :- जिला यमुनानगर में केन्द्रीय सहकारी बैक

वर्ष	2004-05	2005-06	2006-07	2008-09	2009-10	2010-11
हिस्सा पूंजी लाखों में	761.00	776	997	1135	1189	1246
निजी पूंजी लाखों में	1743.00	2342	2620	2617	3540	2737
कार्य पूंजी लाखों में	196470	6251	30451	37574	39084	43406
जमा राशी लाखों में	9881	12145	13522	17202	21500	23324
वर्ष के दौरान दिया गया कर्जा लाखों में	19120	26841	21199	17700	17700	28156
लाभ पूंजी लाखों में	234	158	114	-	114	-

'बैंक'

65. जिला यमुनानगर में वर्ष 2011 में 158 अनुसूचित वाणिज्य बैंक के कार्यालय थे।

'शिक्षा'

66. विद्यालय तथा महाविद्यालय :-

जिला यमुनानगर में वर्ष 2009-10 के दौरान 955 प्राथमिक, 256 माध्यमिक तथा 325 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहे थे। इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः 1021, 1305 व 6716 अध्यापक कार्यरत थे। इस प्रकार जिला में इन विद्यालयों में कुल 9042 अध्यापक कार्यरत थे।

67. वर्ष 2009-10 के दौरान 250178 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिनमें से 110219, 44.06 प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयो ंमें, 64083 ,25.62 प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 75866 ,30.32 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

68. वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में अनुसूचित जाति के कुल 74857 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की जो कुल विद्यार्थियों का 32.1 प्रतिशत है इनमे 36610 विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयो में, 18180 माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 20067, विद्यार्थी उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

तालिका :- मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों कि संख्या

	कुल विद्यार्थी			अनुसूचित जाति के विद्यार्थी		
	कुल	छात्रा	छात्राएं	कुल	छात्रा	छात्राएँ
प्राथमिक	110219	58438	51781	36610	19265	17345
माध्यमिक	64083	38560	25523	18180	9405	8775
उच्च/वरिष्ट	75866	41254	34612	20067	10505	9562
जोड़	250178	138252	111926	74857	39175	35682

69. जिला यमुनानगर में वर्ष 2009-10 में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात लगभग 108 प्राथमिक, 49 माध्यमिक तथा 15 उच्च एवम् वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का था।

70. जिला यमुनानगर में वर्ष 2010-11 में 8 कला,विज्ञान महाविद्यालयें थे। वर्ष 2010-11 में महाविद्यालयो में 19419 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिसमे 1910 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे।

71. अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम - व्यवसायिक शिक्षा के लिए जिला में इन्जिनियरिंग महाविद्यालय तथा 1 दन्त चिकित्सालय कार्यरत था ।

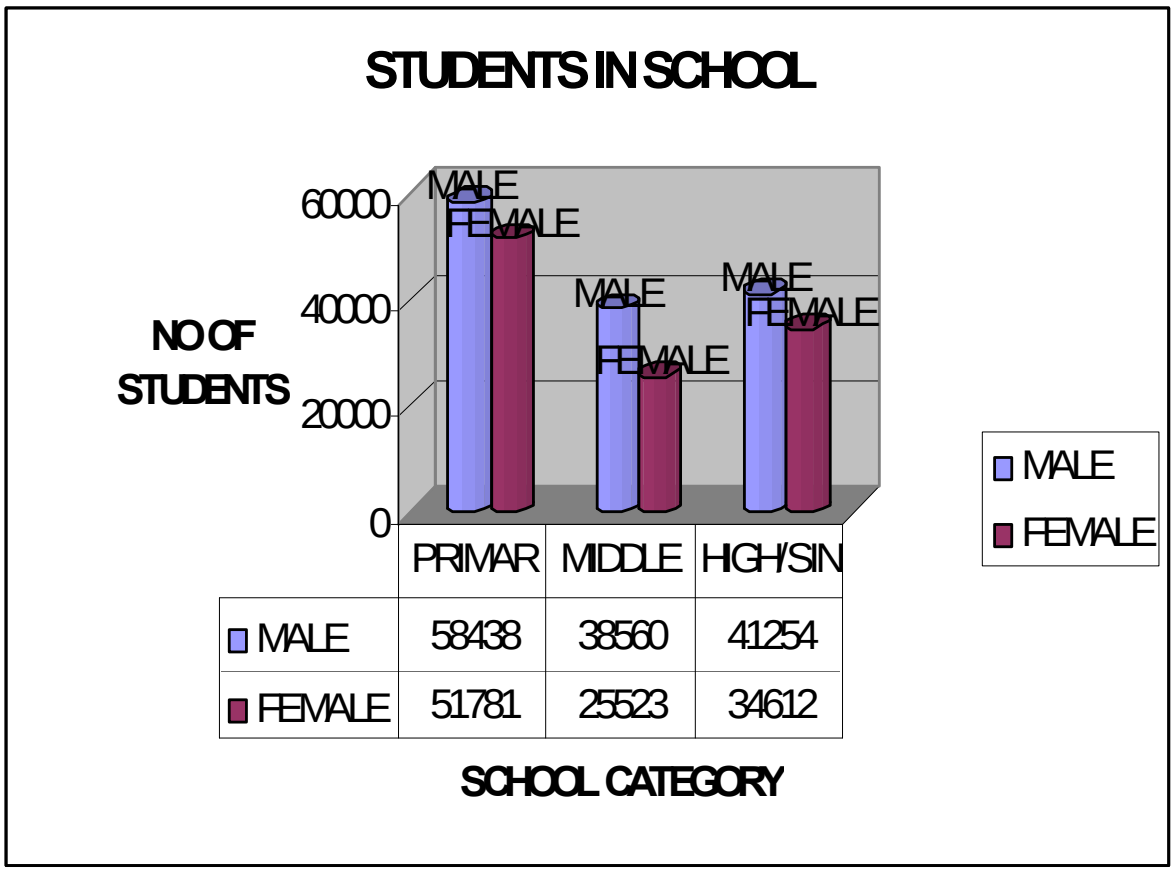
STUDENTS IN SCHOOL
NO OF STUDENTS
60000
40000
20000
0
MALE
FEMALE
MALE
FEMALE
MALE
FEMALE
PRIMAR
MIDDLE
HIGH/SIN
MALE
58438
38560
41254
FEMALE
51781
25523
34612
SCHOOL CATEGORY
MALE
FEMALE

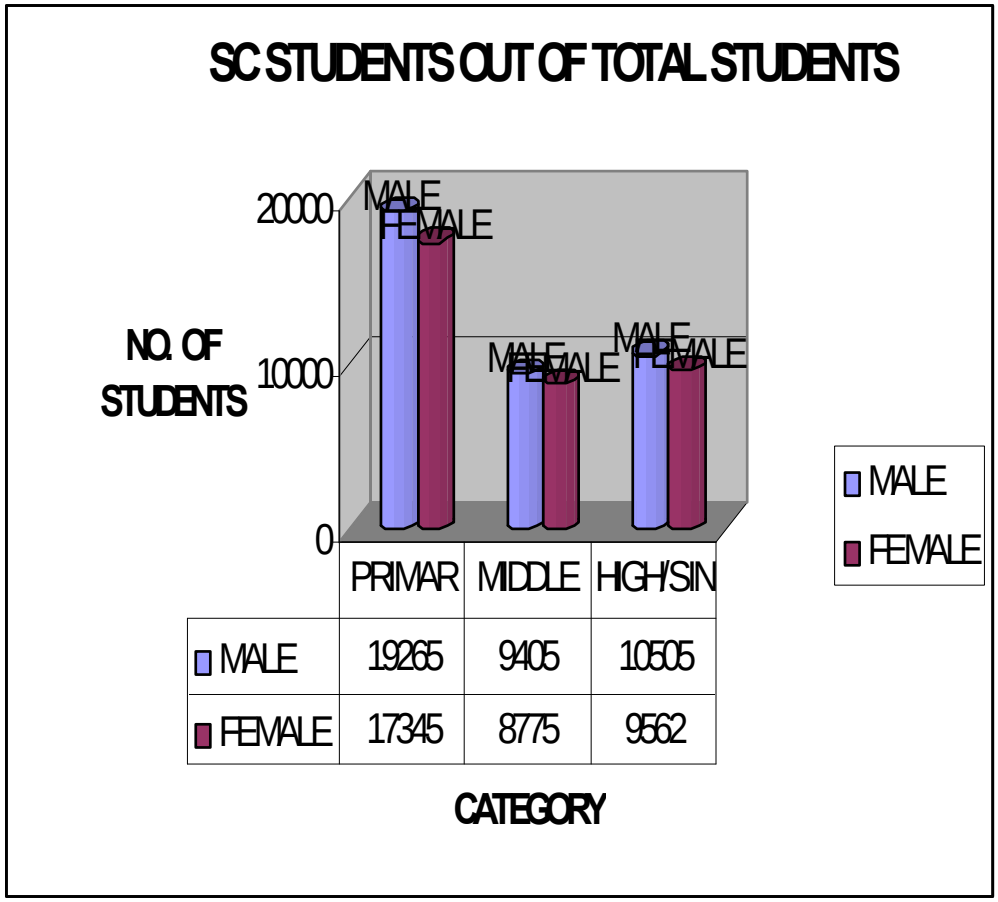

चिकित्सा तथा जन स्वास्थय

72. स्वास्थय सेवायें

जिला यमुनानगर में वर्ष 2010-11 में राज्य सरकार तथा प्राइवेट संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की ऐलोपैथी संस्थाओं जिनमें 139 राज्य सरकार द्वारा, 2 नहरें वाला एक रेलवे तथा 7 अन्य है । इन संस्थाओं 4 हस्पताल शहरी क्षेत्रो में, 18 प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र जिसमें 14 ग्रामीण क्षेत्रो में तथा 4 शहरी क्षेत्रो में है। 12 डिस्पैंसरी, 2 ग्रामीण क्षेत्रो में तथा 10 शहरी क्षेत्रो में 4 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र है जिसमें 2 ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 2 शहरी क्षेत्रो में है। तथा 111 उपकेन्द्र कार्यरत थे इसके अतिरिक्त जिला में 16 आर्युवैदिक डिस्पैसरी, 3 यूनानी डिस्पैसरी भी चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर रही है ।

73. वर्ष 2010-11 में सरकारी संस्था द्वारा 770123 रोगियों की चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। वर्ष 2010-11 में सरकारी संस्था में 422 बिस्तर उपलब्ध थे। प्रत्येक एक लाख आबादी के लिए 34 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे।

74 परिवार कल्याण प्रोग्राम :-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में 6 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यरत थे। वर्ष 2010-11 में नसबन्दी के कुल 2294 केसिज़ किए गए। जिसमें से पुरुषो 352 तथा महिलाओं के 1942 केस थे । वर्ष के दौरान आई0 यू0 डी0 प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या 6234 थी।

75. सुरक्षित पेयजल :-

जिला यमुनानगर में पेयजल परियोजना के अधीन जिले के सभी गांवों को पेयजल सुविध प्रदान की जा चुकी है।

'कल्याण विभाग अनुसूचित जातियां व पिछड़े'

76. वर्ष 2010-11 में मकान अनुदान योज़ना ''अनुसूचित-विमुक्त जाति''के अर्न्तगत 210 परिवारों को 10500000 रूपये की राशि का अनुदान दिया गया। इस स्कीम में उन व्यक्तियों को जिनके पास कच्चा मकान हो व 50 वर्ग गज का प्लाट हो,उन्हे 10,000 रूपये का अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2010-11 में इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना के अर्न्तगत 948 लाभपात्रों को कुल 1,29,99,600 रू0 का तथा अर्न्तजातीय विवाह योजना स्कीम के अर्न्तगत 11 लााभपात्रों को कुल 5,50,000 रू0 का अनुदान दिया गया ।इसी प्रकार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति अनुसूचित जाति प्लान/नानप्लान स्कीम के अर्न्तगत वर्ष 2010-11 में 787 लाभपात्रों को कुल 14984468रू0 का अनुदान दिया गया ।

77. इसी प्रकार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति पिछडें वर्ग प्लान/नानप्लान स्कीम के अर्न्तगत वर्ष 2010-11 में 927 लाभपात्रों को कुल 2098020 रू0 का अनुदान दिया गया।

78. अत्याचार स्कीम के अर्न्तगत वर्ष 2010-11 के दौरान सरकार से 2,31,250रू0 का अनुदान प्राप्त हुआ जिससे अनुसूचित जाति के परिवारों को कानूनी सहायता जाती है । इस स्कीम में किसी भी अनुसूचित जाति के व्यक्ति का, जिसका स्वर्ण जाति के व्यक्ति के साथ न्यायालय में मुकदमा चल रहा हो, उसे पैरवी हेतु बतौर वकील की फीस का अनुदान दिया जाता है।

79. अनुसूचित जाति के लाभार्थ हेतू चलाई गई पंचायत प्रोत्साहन स्कीम के अर्न्तगत 4 लााभपात्रों को कुल 2,00,000 रू0 का अनुदान दिया गया ।

80. अनुसूचित जाति उच्च शिक्षा प्रोत्साहन स्कीम के अर्न्तगत 2 केस हुए इन लाभपात्रों को 17000 रू0 का अनुदान दिया गया ।

81. पोस्ट मैट्रिक छात्रावृति योजना के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 के दौरान अनुसूचित/ विमुक्त जाति के अर्न्तगत आने वाले 1714 विद्यार्थीयों को 17082488 रुपए की राशि वितरित की गई।

82. डा0 अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना के अन्तर्गत 507 छात्रों को 3710000 रुपए की राशि वितरित की गई।

83. <u>वृद्वावस्था एवं अन्य पैंशन</u> :-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में वृद्वावस्था सम्मान भता के अन्तर्गत 77544 वृद्वों को 500 व 700 रुपए प्रति मास की दर से कुल 449752300 रुपए, विधवा पैंशन योजना के अन्तर्गत 22383 लाभपात्रा को 194122000 रुपए तथा 7888 विकलांग व्यक्तियों का 47628000 रुपए की राशि पैंशन के रूप में वितरित की गई।

'विविध'

83. नगरनिगम:-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में स्थित नगर निगम का अन्तिम शेष (आय -व्यय) 1075654173 रुपयें था। वर्ष 2010-11 में 333539330 रुपयें आय हुई जिसमें से 225973913 रुपयें व्यय किए गये ।

84. जिला राजस्व:-

जिला राजस्व में वर्ष 2010-11 में निम्नलिखित साधनों सें राजस्व की प्राप्ति हुई। सामान्य बिक्री कर से 14132.49 लाख रुपए, केन्द्रीय बिक्री कर से 2035.38 लाख रुपए, मनोरंजन कर से 5.58 लाख रुपए आय हुई।

85.. रजिस्ट्रीकरण:-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में रजिस्ट्री कार्यालयों की संख्या 6 थी जिनमें 24329 अनिवार्य अचल सम्पत्तियों की रजिस्ट्री हुई। इन अन्तरित सम्पत्तियों का मूल्य 71547943.15 हजार रुपए था। इससे सरकार को 546589517 रुपए की आय हुई।

86. पुलिस तथा अपराध:-

जिला यमुनानगर में वर्ष 2011 में 13 पुलिस स्टेशन तथा 10 पुलिस चौकियां कार्यरत थी। जिले में इस वर्ष के दौरान 3053 अपराध हुए जिमें से 32 हत्या के, 486 चोरी, 42 हरण, 22 केस लूट के, 160 केस सेंध चोरी तथा 2280 केस विविध अपराधो से सम्बन्धित थे, जबकि वर्ष 2010 में कुल 2282 विभिन्न प्रकार के अपराध हुए।

87. हरियाणा सरकार के कर्मचारी:-

जिला यमुनानगर में 31मार्च 2010 को हरियाणा सरकार के अधीन कार्यालयों में 12407 कर्मचारी कार्यरत थे जिनमें 8466 पुरूष तथा 3941 महिलाएं थी। जिला में 2904 अनुसूचित जाति के तथा 2604 पिछड़े वर्ग के कर्मचारी थे।

88. तालिका :-जिला यमुनानगर में हरियाणा सरकार के कर्मचारी 31.3.2010

श्रेणी	कुल		अनुसूचित जाति		पिछड़े वर्ग	
	पुरूष	स्त्रियां	पुरूष	स्त्रियां	पुरूष	स्त्रियां
वर्ग 1	74	09	12	03	06	–
वर्ग 2	406	159	63	13	83	30
वग 3	4777	1189	844	156	1032	260
वर्ग 4	1646	173	715	69	296	30
फुटकर	500	1809	155	627	52	564
संविधा	1056	599	186	56	146	109
तदर्थ/ कार्य प्रभारित	7	3	3	2	0	0
कुल	8466	3941	1978	928	1615	989

HARYANA GOVERNMENT EMPLOYEE IN DISTRICT YAMUNANAGAR 31-3-2010

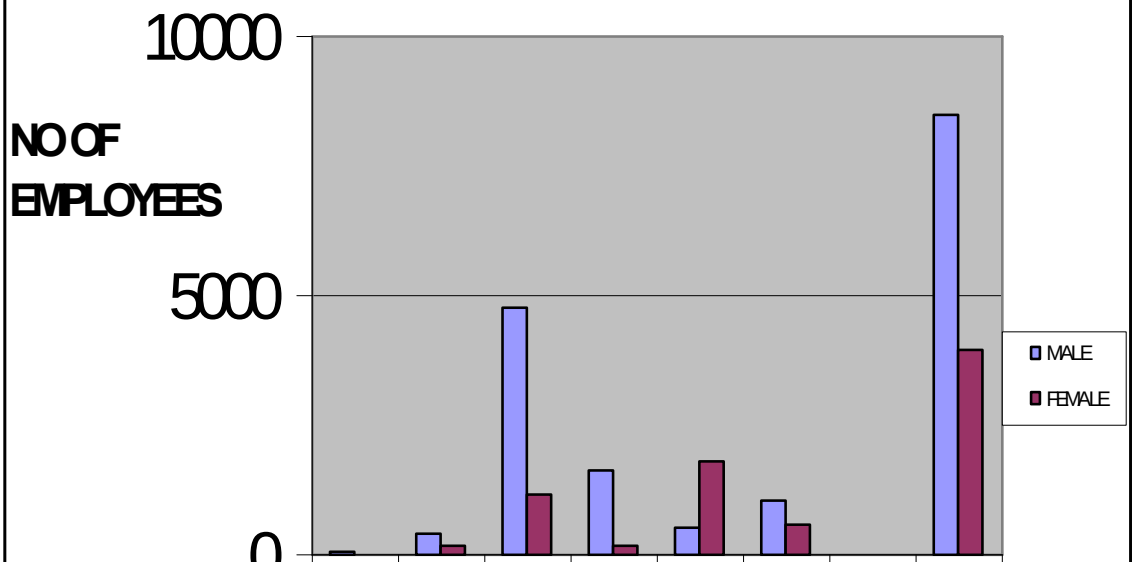

	CLASS1	CLASS2	CLASS3	CLASS4	CONTIGENCE	CONTRACT	ADHOC	TOTAL
MALE	74	406	4777	1646	500	1056	7	8466
FEMALE	9	159	1189	173	1809	599	3	3941

CLASSESS OF EMPLOYEE

NO. OF EMPLOYEES BY CATEGORIES

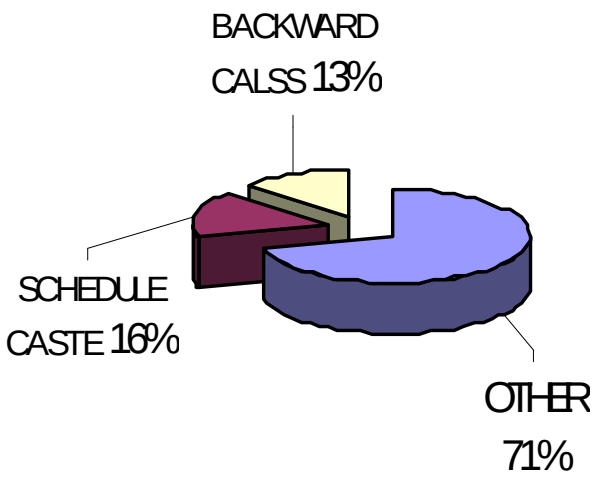

89. ग्राम पंचायत :-

जिला यमुनानगर में वर्ष 2010-11 में 6 ब्लाको में ग्राम पंचायतों की संख्या 441 है। जिस में पंचों की संख्या 3467 है व सरपंचों की संख्या 441 है।

90. बचत:-

वर्ष 2010-11 में जिला यमुनानगर में 251404100 रुपए के किसान विकास पत्र, 15606500 रुपए के मासिक आय योजना, 127855700 रुपए 6 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र में जमा किए गए। इस प्रकार जिला यमुनानगर में वर्ष 2010-11 के दौरान विभिन्न बचत खातों में 27644200 रुपए की निविल राशि जमा की गई।

91. विकेन्द्रीयकरण :-

जिला यमुनानगर में जिला योजना स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 के दौरान 1109.27 लाख रुपए की राशि जिला के विभिन्न विकास कार्यों के लिए जारी की गई।

92. चुनाव एवम मतदाता:-

वर्ष 2009 में जिला यमुनानगर में मतदाताओं की कुल संख्या 620557 है । जो 4 विधान सभा क्षेत्र क्रंमश यमुनानगर, छछरौली, रादौर, व सढौरा में विभाजित है । लोकसभा चुनाव के लिए रादौर विधान सभा चुनाव क्षेत्र कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट के अर्न्तगत व यमुनानगर, जगाधरी ,छछरौली व सढौरा विधानसभा क्षेत्र अम्बाला लोकसभा सीट के अर्न्तगत आती है ।

93. खेलकूद

जिला यमुनानगर में कार्यालय गांव तेजली स्पोटर्स स्टेडियम में स्थित है । खेलों को महत्व देने वाले 60 एकड़ भुमि पर स्टेडियम का निमार्ण किया गया । खेल विभाग हरियाणा द्वारा इस जिले में हाकी, बास्केटबाल , क्रिकेट , कुश्ती, हैडबाल , फुटबाल,योगा एंवम बालीबाल , कबडडी, टेबल टैनिस खेले का प्रशिक्षक नियुक्त किये गये

है । जो कि यमुनानगर के भिन्न –2 सस्थानों में प्रतिदिन प्रातः सांयः खिलाडियों का प्रशिक्षण देते है ।

1 वर्ष 2010 में सढौरा, बिलासपुर, रादौर, जगाधरी,मुस्तफाबाद व छछरौली ब्लाक लेवल महिला खेल उत्सव का आयोजन किया गया।

2 वर्ष 2010 में पी0 टी0 आई/डी0 पी0 ई0, अध्यापक क्रीडाश्री पाईका व ब्लाक के योगा टीचरों का योगा हाल नेहरु पार्क में लगाया गया जिसमें अध्यापकों/ पी0 टी0 आई ने भाग लिया।

3 वर्ष 2010 में जिला स्तर पर वीर एंवम शहीदों के अश्रितों,स्वतन्त्रता सैनानियों भूतपूर्व सैनिको, जिला सैनिक बोर्ड के पदाधिाकारयों एवम जिले के अन्य गणमान्य व्यक्तियों को भी आमत्रित किया गया तथा स्कूल,कालेज के छात्रों एंव युवाओं से भाषण एवं लेखन प्रतियोगता करवाई गई।

4 महात्मा गांधी जी के जन्म दिवस 2अक्तूबर 2010 को रन फार फन का आयोजन करवाया गया जिस पर जिला यमुनानगर के खिलाडियों/ स्कूलों के विद्यार्थियों की दौड करवाई गई।

5 योगा शिक्षिकों द्वारा जिला यमुनानगर के 6 ब्लाकों में योगा का प्रशिक्षण दिया गया।जिस में ग्रामीण युवा/वृद्व योगा प्रशिक्षण पा कर लाभान्वित हुए हैं।

6 वर्ष 2010 में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन करवाया गया जिसमें संगीत,शास्त्रीय गायन,वादन,नृत्य शास्त्रीय नृत्य व लोक नृत्य नाटय एकांकी भाषण प्रतियोगिता पर आयोजन करवाया गया यह जिला स्तरीय युवा उत्सव डी0ए0वी0 फार गर्ल्ज कालेज यमुनानगर में आयोजित करवाया गया।

7 वर्ष 2010 में पण्डित जवाहर लाल नेहरु के जन्म पर **Cildren Day** का आयोजन करवाया गया इस आयोजन पर भाग लेने वाले स्कूल के विधाथियों/खिलाडियों को रिफ्रेशमैन्ट भी वितरित की गई।

8 खेल एंवम युवा कार्यक्रम विभाग हरियाणा द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान जिला यमुनानगर के विभिन्न स्कूलों तथा कालेजों के खिलाडियों को 191700/- रुपयें की छात्रावृति वितरित की गई ।तथा 1004000/-रुपयें की नकद इनाम खिलाडियों को वितरित किया गया ।

9 वर्ष 2009-10 में 10 एन0 जी0 ओ0 के युवाओं को जागृत करने व सामाजिक बुराईयों को दूर करने हेतू 230000 रुपयें का अनुदान वितरित किया गया।

10 खेल एंव युवा कार्यक्रम विभाग ,हरियाणा द्वारा वर्ष 2010-11 के दौरान जिला यमुनानगर में 2.00 करोड़ रूपये की राशि व्यय की गई तथा मल्टीपरपज हाल का निर्माण कार्य प्रगति पर है ।

11 तेजली खेल परिसर में दो सिनथेटिक लान टैनिस कोर्ट का निमणि जिला पलानिंग स्कीम के तहत करवाया गया। कोर्ट बनने पर यमुनानगर के खिलाडियों को काफी सुविधा हुई है।

परिशिष्ठ-3'

जिला एक दृष्टि में

चुने हुए सूचकांक

1.	जनसंख्या का घनत्व प्रतिवर्ग कि0मी0 2001	589
2.	कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	62
3.	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	38
4.	कुल जनसंख्या पर 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	14.40
5.	कुल जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	862
6.	ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	866
7.	शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	855
8.	0-6 आयुवर्ग की जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	806
9.	साक्षरता 2001	
	पुरूष 78.82	
	स्त्रियां 63.39	
	कुल	71.63
10.	कुल बोये गए क्षेत्र की कुल क्षेत्र से प्रतिशतता 2010-11	123.83
11.	एक बार से अध्कि बोये गये क्षेत्र की कुल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2010-11	42.25
12.	कुल बोये क्षेत्र की कुल निविल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2010-11	170.4
13.	गांव के विद्युतिकरण की प्रतिशतता	100
14.	स्कूल जाने वाले प्रति 1000 बच्चों पर स्कूलों की संख्या 2010-11	
	प्राथमिक	9
	माध्यमिक	4
	उच्चतर /वरिष्ट	43
15.	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरों की संख्या 2010-11	41
16.	प्रति पांच लाख जनसंख्या के पीछे अस्पतालों की संख्या 2010-11	2
17.	प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र पर पक्की सतही सड़कों की	

	लम्बाई कि0मी0 2010-11	66.57
18.	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाकघरों की संख्या 2010-11	6
19.	प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या 2010-11	1